# संदर्भ ग्रंथ सूची

## संदर्भ ग्रंथ सूची

### आधार ग्रंथ :


1. अखिल, सुभाष (प्रथम संस्करण : 2018). दरमियाना, कानपुर : अमन प्रकाशन
2. अनमोल, भगवंत (प्रथम संस्करण : 2017). जिंदगी 50-50, नई दिल्ली : राजपाल प्रकाशन
3. अश्क, उपेन्द्रनाथ (प्रथम संस्करण : 1963). शहर में घूमता आईना, इलाहाबाद : नीलाभ प्रकाशन
4. अज्ञेय (प्रथम संस्करण : 1951). नदी के द्वीप, 14 डी फिरोजशाह रोड : प्रोग्रेसिव पब्लिशर्स
5. 'अज्ञेय', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन (संस्करण : 2015). शेखर एक जीवनी, पहला भाग-उत्थान, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
6. 'अज्ञेय', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन (संस्करण : 2015). शेखर एक जीवनी, दूसरा भाग-संघर्ष, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
7. 'उग्र', पाण्डेय बेचन शर्मा (तृतीय संस्करण : 1953). चाकलेट, कलकत्ता : टंडन ब्रदर्स प्रकाशन
8. एम.(डॉ.) फिरोज. खान (संपा.) (संस्करण : 2018). थर्ड जेन्डर: हिन्दी कहानियाँ, कानपुर : अनुसंधान पब्लिशर्स
9. खेतान, प्रभा (प्रथम संस्करण : 1996). पीली आंधी, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
10. गर्ग, मृदुला (प्रथम संस्करण : 1996). कठगुलाब, दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
11. चटर्जी, गीतांजलि (पहला संस्करण : 2010). तीसरे लोग, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन
12. चन्द्र, सुधीर (प्रथम संस्करण : 2020). भूपेन खख्खर: एक अन्तरंग संस्मरण, नई दिल्ली : राजकमल
13. चुगताई, इस्मत (संस्करण : 2016). लिहाफ़, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
14. चुगताई, इस्मत (दूसरा संस्करण : 2018). लिहाफ़, अब्दुल मुगनी (संपा), सुरजीत (लिप्यंतर), नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
15. चौधरी, राजकमल (प्रथम संस्करण : 1966). मछली मरी हुई, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
16. प्रकाशन

17. जोशी, मनोहर श्याम (प्रथम संस्करण : 1996). हमज़ाद, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

18. जोशी, मनोहर श्याम (प्रथम संस्करण :1994). हरिया हरक्यूलीज की हैरानी, नई दिल्ली : राजकमल पेपरबैक्स

19. नाईक, पारु मदन (प्रथम संस्करण : 2012). मैं क्यों नहीं, सुनीता परांजपे(अनु.), नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

20. नागर, अमृतलाल (संस्करण : 2017). नाच्यौ बहुत गोपाल, दिल्ली : राजपाल एण्ड संज

21. नीरजा, माधव (प्रथम संस्करण : 2002). यमदीप, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन

22. निराला, सूर्यकांत त्रिपाठी, नंदकिशोर नवल (संपा.) (संस्करण :1983). कुल्लीभाट, निराला रचनावली भाग 4, नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

23. पुष्पा, मैत्रेयी (संस्करण : 2002). कस्तूरी कुण्डल बसै, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

24. बंद्योपाध्याय, मानोबी (पहला संस्करण : 2018). पुरुष तन में फंसा मेरा नारी मन (लेखिका. झिमली मुखर्जी पांडे), नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

25. बिष्ट, पंकज (प्रथम संस्करण : 2009). पंखवाली नाव, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

26. भारती, गिरिजा (प्रथम संस्करण : 2018). अस्तित्व, कानपुर : विकास प्रकाशन

27. भीष्म, महेंद्र (प्रथम संस्करण : 2016). किन्नर कथा, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन

28. भुराड़िया, निर्मला (प्रथम संस्करण : 2016). गुलाम मंडी, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन

29. मुद्गल, चित्रा (प्रथम संस्करण : 2017). पोस्ट बॉक्स नंबर 203 नाला सोपारा, दिल्ली : सामयिक प्रकाशन

30. माधव, नीरजा (प्रथम संस्करण : 2017). यमदीप, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन

31. मिहिर, वराह (संवत् -1966). वृहत जातक, पंडित महीधर शर्मा (भाषा टीकाकार), मुंबई : श्रीवेंकटेश्वर स्टीम् प्रेस

32. मिश्र, शची (प्रथम संस्करण : 2014). चाय कॉफी उर्फ़ तीसरी दुनियां, कोलकाता : मानव प्रकाशन

33. राकेश, अनीता (प्रथम संस्करण : 2008). गुरुकुल, खंड-1, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन

34. राकेश, अनीता (प्रथम संस्करण : 2009). गुरुकुल, खंड-2, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन

35. राय, (डॉ.) शशिकला (प्रथम संस्करण : 2015). मैं हिजड़ा... मैं लक्ष्मी (अनु.सुरेखा बनकर), नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन

36. रूपड़ा, मनोज (प्रथम संस्करण : 2008). प्रतिसंसार, नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

37. वनिता, रूथ (प्रथम संस्करण : 2021). परियों के बीच, नई दिल्ली : राजकमल पेपरबैक्स

38. वर्मा, शुभा (प्रथम संस्करण : 1985). अनाम रिश्तों के नाम, दिल्ली : विवेक प्रकाशन

39. वर्मा, सुरेन्द्र (प्रथम संस्करण : 1993). मुझे चाँद चाहिए, दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

40. संजीव (प्रथम संस्करण : 2003). सूत्रधार, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन

41. सूद, केवल (प्रथम संस्करण : 2015). मुर्गीखाना, दिल्ली : शिलालेख प्रकाशन

42. सौरभ, प्रदीप (प्रथम संस्करण : 2011). तीसरी ताली, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन

43. त्रिपाठी, लक्ष्मीनारायण (प्रथम संस्करण : 2015). मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन

44. श्री, गीतांजलि (प्रथम संस्करण : 2007). तिरोहित, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

45. श्रोत्रिय, प्रभाकर (प्रथम संस्करण : 2009). इला, नयी दिल्ली : किताबघर प्रकाशन

**सहायक ग्रंथ :**


1. अनामिका (प्रथम संस्करण : 2012). स्वाधीनता का स्त्री-पक्ष, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
2. अनामिका (प्रथम संस्करण : 2008). तिनका तिनके पास, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
3. अग्रवाल, रोहिणी (संस्करण : 2015). साहित्य का स्त्री-स्वर, इलाहाबाद : साहित्य भंडार
4. अग्रवाल, निधि, नलिनी भनोट (अनु.) (जून 2014). लेबिया, बाइनरी जेंडर व्यवस्था को तोड़ते हुए, A Queer Feminist LBT Collective, Impression Graphics, Mumbai-400099
5. अहमद, एजाज (प्रथम संस्करण : 1996). आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व, नई दिल्ली : प्रकाशन संस्थान
6. उग्र, पांडेय बेचन शर्मा (प्रथम संस्करण : 2014). सब्ज़बाग, डॉ. रत्नाकर पांडेय (संपा) नई दिल्ली : वाणी प्रकाशक
7. एंगेल्स, फ्रेडरिक (प्रथम संस्करण : 1884). परिवार, निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति. पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस. पहला भारतीय संस्करण जुलाई 2010
8. एलिस, हेवलॉक (संस्करण : 2017). यौन मनोविज्ञान, दिल्ली : राजपाल एण्ड सन्ज़
9. काबरा, कमल नयन (द्वितीय संस्कारणं : 2008). भूमंडलीकरण के भंवर में भारत, (आवृति : 2018) (आवरण : जगमोहन सिंह रावत) नई दिल्ली : प्रकाशन संस्थान
10. कमलेश्वर (प्रथम संस्करण : 1978). नयी कहानी की भूमिका, नई दिल्ली : ईशान प्रकाशन
11. खेतान, (डॉ.) प्रभा (प्रथम संस्करण : 2004). बाज़ार के बीच: बाज़ार के खिलाफ, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
12. गीताश्री (प्रथम संस्करण : 2008). स्त्री आकांक्षा के मानचित्र, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन
13. गीता, वी (प्रथम संस्करण : सन 2018). स्त्रीवाद की सैद्धांतिकी जेन्डर विमर्श(अनु.ऋचा), नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान
14. घोष, (डॉ.) सुभागता, (प्रथम संस्करण : 2015). सिलेक्टेड स्वकांथी, कोलकाता : अ सैफो फॉर इक्वालिटी पब्लिकेशन

15. चतुर्वेदी, रामस्वरुप (पच्चीसवाँ संस्करण : 2011). हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन
16. चंद्र, सुधीर (प्रथम संस्करण : 2010). गांधी के देश में, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
17. जॉन, मैरी ई, तेजस्विनी निरंजना (प्रथम संस्करण 2008). प्रति-छवी की राजनीति: हिंदुत्व और भारतीय संस्कृति, मैरी ई.जॉन और जानकी नायर (संपा.) अभय कुमार दुबे (अनु.) नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
18. जॉनसन, जैरी (प्रथम संस्करण : 2018). न नर, न नारी, फिर भी नारायण, नोएडा : हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स इंडिया
19. तारशी (प्रथम संस्करण : 2003). सामान्य आधार यौनिकता, यौनिकता पर कार्य करने के सिद्धांत
20. दवे, रमेश (दूसरा संस्करण 2006). आलोचना-समय और साहित्य, नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ
21. धर्मवीर (डॉ.) (संपा) (संस्करण : 2006) सीमंतनी उपदेश एक अज्ञात हिन्दू औरत, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
22. नंदी, आशिस, अभय कुमार दुबे (अनु.) (संस्करण : 2019). जिगरी दुश्मन, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
23. नवीन, देवशंकर (प्रथम संस्करण : 2012). राजकमल चौधरी: जीवन और सृजन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार : प्रकाशन विभाग
24. नवीन, देवशंकर (प्रथम संस्करण : 2012). राजकमल चौधरी : जीवन और सृजन, नई दिल्ली : प्रकाशन विभाग
25. नसरीन, तसलीमा (आवृति : 2017). औरत का कोई देश नहीं (अनु. सुशील गुप्ता), नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
26. निधि अग्रवाल और नलिनी भनोट (अनु.) (जून 2014) लेबिया, बाइनरी जेंडर व्यवस्था को तोड़ते हुए, A Queer Feminist LBT Collective, Impression Graphics, Mumbai
27. पचौरी, सुधीश (द्वितीय संस्करण : 2018). रीतिकाल सेक्सुअलिटी का समारोह, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
28. पटनायक, देवदत्त (संस्करण : 2017). आई एम डिवाइन, भारत : हार्पर कोलिन पब्लिकेशन
29. पांडे, मृणाल. (पहला संस्करण : 2006). जहां औरतें गढ़ी जाती हैं, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन
30. पांडे, मृणाल (प्रथम संस्करण : 2017). परिधि पर स्त्री, नई दिल्ली : राधाकृष्ण पेपरबैक्स

31. पांडे, मृणाल (पहला संस्करण : 2003). ओ उब्बीरी, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन

32. पांडेय, भवदेव (दूसरा संस्करण : 2009). 'उग्र' का परिशिष्ट, नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

33. पी., प्रमीला के. (प्रथम संस्करण : 2015). स्त्री अध्ययन की बुनियाद, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

34. प्रीतम, अमृता (प्रथम संस्करण : 2015). कच्चे रेशम सी लड़की, नई दिल्ली : किताबघर प्रकाशन

35. प्रीतम, अमृता (प्रथम संस्करण : 2017). अलिफ़ लैला हज़ार दास्तान, नई दिल्ली : किताबघर प्रकाशन

36. बारां, ऋतुपर्णा (संस्करण : 2011). खुलती परते, नई दिल्ली : निरंतर

37. बारा, ऋतुपर्णा, जया शर्मा (संपा) (सितंबर 2011). खुलती परतें, भाग 2, निरंतर ट्रस्ट, नई दिल्ली

38. बोउवार, सीमोन द (नविन संस्करण : 2002). स्त्री:उपेक्षिता, प्रभा खेतान(अनु.), नई दिल्ली : हिन्द पॉकेट बुक्स

39. बोउवार, सीमोन द (नवीन संस्करण : 2002). स्त्री:उपेक्षिता, प्रभा खेतान (अनु.), नई दिल्ली : हिन्द पॉकेट बुक्स

40. भसीन, कमला (प्रथम संस्करण : 2000). भला यह जेन्डर क्या है, नई दिल्ली : जागोरी

41. भसीन, कमला, वीणा शिवपुरी (अनु.) (प्रथम संस्करण : 2000). नई दिल्ली : जागोरी

42. महेश्वर (तृतीय संस्करण : 2016). परचम बनता आँचल, इलाहाबाद : जन संस्कृति मंच

43. माया, शांति, आभा, आभा भैया (संपा.) (प्रथम संस्करण : 1996). किनारों पर उगती पहचान, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

44. मिल, जॉन स्टुअर्ट, कात्यायनी. (संपा) प्रगति सक्सेना (अनु.) (संस्करण : 2002). स्त्रियों कि पराधीनता, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

45. मुकर्जी, (डॉ.) रवीन्द्रनाथ, डॉ. भरत अग्रवाल (प्रथम संस्करण : 2019). लिंग एवं लैंगिकता, आगरा : एस बी पी डी पब्लिकेशन्स

46. मेनन, निवेदिता (पहला संस्करण : 2021). नारीवादी निगाह से (अनु. नरेश गोस्वामी), नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

47. यादव, राजेन्द्र, प्रभा खेतान, अभयकुमार दुबे (पहला संस्करण : 2010). पितृसत्ता के नए रूप, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
48. राजकिशोर (प्रथम संस्करण : 2015). फ्रायड विचार कोश, नई दिल्ली : प्रकाशन संस्थान
49. राजकुमार ( प्रथम संस्करण : 2019). थर्ड जेंडर : भाषावैज्ञानिक अध्ययन, कानपुर : विकास प्रकाशन
50. राजकिशोर (आवृति : 2019). स्त्री-पुरुष : कुछ पुनर्विचार, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
51. राजकिशोर (संपा) (तृतीय संस्करण : 2006). अश्लीलता का हमला, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
52. रश्मि (डॉ.) रचना सिंह (संपा) (प्रथम संस्करण : 2019). समकालीन साहित्य और किन्नर विमर्श, दिल्ली : साहित्य संचय
53. राय, अरुंधति, नीलाभ (संपा) (पहली आवृति : 2014). कठघरे में लोकतंत्र, जितेंद्र कुमार (अनु.) नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
54. वनजा, के. (प्रथम संस्करण : 2021). क्वीर विमर्श, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
55. वनिता, रूथ, सलीम किदवाई (प्रथम संस्करण : 2001). सेम सेक्स लव इन इंडिया, मैकमिलन पब्लिकेशन
56. वर्मा, सुरेन्द्र (प्रथम संस्करण : 1998). दो मुर्दों के लिए गुलदस्ता, नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ
57. वाल्मीकि, ओमप्रकाश (पहला संस्करण : 2014). दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन
58. वॉलस्टनक्राफ्ट, मेरी (संस्करण : 2003). स्त्री अधिकारों का औचित्य-साधन, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन
59. विंध्या, यू. मैरी ई.जॉन और जानकी नायर (संपा) (प्रथम संस्करण : 2008). स्त्री-कामरेड और सेक्सुअलिटी, कामसूत्र से कामसूत्र तक, अभय कुमार दुबे (अनु.) नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
60. वेदव्यास, सम्पूर्ण महाभारत (हिन्दी), गीताप्रेस
61. वुल्फ़, वर्जीनिया, मोजेज माइकेल (अनु.) (संस्करण : 2011). अपना एक कमरा, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन
62. व्यास, राजशेखर (संपा.) (संस्करण : 2013). उग्र संचयन, नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ
63. व्यास (प्रो.), एस. पी. (संस्करण : 2018). भारतीय इतिहास में थर्ड जेन्डर : नाज़िर वर्ग, जोधपुर : एसोसियट बुक कंपनी

64. व्यास, राजशेखर (संपा) (दूसरा संस्करण : 2015). 'उग्र' संचयन, नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ

65. शर्मा, (डॉ.) विनयमोहन (पाँचवा संस्करण : 2016). शोध प्रविधि, इंदिरापुरम : मयूर पेपरबैक्स

66. शर्मा, गीतेश (पहला संस्करण : 2019). भारतीय संस्कृति और सेक्स, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

67. शास्त्री, आचार्य चतुरसेन (प्रथम संस्करण : 1951). वयं रक्षामः, भागलपुर : शारदा प्रकाशन

68. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र (नवीन संस्करण). हिन्दी साहित्य का इतिहास, नई दिल्ली : कमल प्रकाशन

69. सिन्हा, प्रभाकर (पहला संस्करण : 2011). लोकतंत्र का अपहरण, फिरोज अख्तर (आवरण), नई दिल्ली : फिलहाल ट्रस्ट

70. सिंह, (डॉ.) अमिता (प्रथम संस्करण : 2015). लिंग एवं समाज, दिल्ली : विवेक प्रकाशन

71. सिंह (डॉ.) बच्चन (आठवाँ संस्करण : 2016). हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन

72. सिंह, नामवर (संस्करण : 2014). कहानी : नई कहानी, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन

73. सिंह, नामवर (संस्करण : 2015). आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ, इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन

74. सिंह, वी. एन, जनमेजय सिंह (पूनर्मुद्रित : 2018). नारीवाद, जयपुर : रावत प्रकाशन

75. सुजाता (प्रथम संस्करण : 2019). स्त्री निर्मिति, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन

76. सेनगुप्त, मल्लिका (प्रथम संस्करण : 2007). स्त्रीलिंग निर्माण, साधना शाह (अनु.), गाजियाबाद : रेमाधव पब्लिकेशन्स

77. सेन, इलीना, ज़ेबा इमाम (संपा) (प्रथम संस्करण : 2018). धर्म और जेन्डर, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

78. सेनगुप्त, मल्लिका (प्रथम संस्करण : 2007). स्त्रीलिंग निर्माण, साधना शाह (अनु.), गाजियाबाद : रेमाधव पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड

79. सैयद, अली एम. (संस्करण : 2018). किन्नर : मिथ एवं यथार्थ, छतीसगढ़ : अनाखर प्रकाशन

80. सोबती, कृष्णा, कृष्ण बलदेव वैद (प्रथम संस्करण : 2007). सोबती-वैद संवाद, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन

**अंग्रेजी पुस्तकें :**


1. Ghosh, Dr. Subhagata (Ed.) (2015). Selected Swakanthey Reflections on Non-Normative Gender-Sexual Issues and Lives. 1st Edn. Kolkata: Sappho for Equality Publication.
2. Kumar, Pushpesh. (2014). Queering Indian Sociology: A Critical Engagement. CAS Working Paper Series. New Delhi: Centre for the Study of Social Systems. Jawaharlal Nehru University.
3. Shapiro, S., & Powell, T. (2017). Medical Intervention and LGBT People: A Brief History. In Trauma, Resilience, and Healthcare Provider in LGBT Patients: What Every Healthcare Provider Should Know. Springer International Publishing.
4. David, F. Greenberg. (1988). The Construction of Homosexuality. The University of Chicago Press.
5. Sharma, Maya. (2006). Loving women: Being lesbian in unprivileged India. New Delhi: Yoda Press
6. Foucault, Michel. (1978). History of Sexuality. vol.1. 1st Edn. New York: Pantheon books.
7. Millett, Kate. (1970). Sexual politics. New York: Doubleday
8. Butler, Judith. (1993). Bodies that Matter on the Discursive Limits of Sex. Routledge.
9. Stoller, J. Robert. (1970). Sex and Gender, The Hogarth Press.
10. Dhall, Pawan. (ed.) (2019). Queer Potli. queer ink publishing.
11. Mill, J.S. (1869). The subjection of women, London: Oxford University Press.
12. Buttler, P. Judith. (1990). Gender trouble, New York: Routledge.

13. Brien, O. Jodi. (Ed.) (2009). Encyclopedia of Gender and Society. Volume 1. sage publication.
14. Bose, B. Bhattacharya, S. (Ed.) (2007). The phobic and the erotic. Seagull Books.
15. Nandy, Ashis. (1983). The intimate enemy: Loss and Recovery of Self under Colonialism. New Delhi: Oxford University press.
16. Bina, Fernandez. (1999). Humjinsi. A Resource book on Lesbian, Gay and Bisexual Rights in India. Mumbai: Combat Law Publications
17. Bakshi, K. & Dasgupta. K. R. (2019). Queer Studies. Orient Black swan.
18. Devi, Shakuntala. (1977). The world of homosexuals. New Delhi: Vikas publishing house.
19. Reddy, Gayatri. (2005). With respect to sex. London: The university of Chicago press.
20. Friedan, Betty. (1963). The feminine mystique. London: W.W. Norton and company.
21. Hastings, James. (2013). Encyclopaedia of Religion and Ethics. volume-2. Hard Press Publishing.
22. Agrawal, Bina. (1996). A field of one's own: Gender and land rights in south Asia. New Delhi: Cambridge University press
23. Butler, Judith. (2016). Gender trouble. New York: Rutledge Indian Publication.
24. Mies, Maria. (1981), 'The social origin of sexual Division of Labour', women the last colony. Issue 85 of ISS occasional papers, Institute of Social Studies Gravenhage.
25. Butler, Judith. (1999). Gender trouble. New York: Rutledge Indian Publication.
26. Patnaik, Devdutt. (2017). I am Divine So are you. India: Harper Collins
27. John, M & Nair, J. (1998). 'Introduction' in a question of Silence? The Sexual Economies of Modern India. New Delhi: Kali for Women

28. Schofield, M. (1965). Sociological Aspects of Homosexuality -a comparative study of three types of homosexuals. London: Longmans.
29. Corber, R. J & S, Valocchi (Eds). (2013). Queer studies: An interdisciplinary reader. Malden: Blackwell.
30. Dave, Naisargai. (2012). Queer activism in India: a story in the anthropology of ethics. Durham: Duke up.
31. Evans, David. (1993). Sexual citizenship: the material construction of sexualities. London: Routledge.
32. Khanna, Akshay. (2016). Sexualness. New Delhi: New Text.
33. Naphy, William. (2004). Born to be gay: A history of homosexuality. Gloucestershire: Tempus.
34. Vanita, Ruth & Kidwai, Saleem. (2008). Same sex love in India: A literary history. Rev. Ed. New Delhi: Penguin Books.
35. Weeks, Jeffery. (1985). Sexuality and its discontents meaning, myths and modern sexualities. New York and London: Routledge. 2000. Print.
36. Trip, Anna. (Ed.). (2000). Gender. New York: Palgrave.
37. Bristow, Joseph. (1997). Sexuality. London: Routledge.
38. Weeks, Jeffery. (1981). Sexuality. London: Routledge.
39. Sinha, Mrinalini. (1995). Colonial Masculinity: The 'Manly Englishman' and the "Effeminate Bengali' in the late Nineteenth Century. New York: Manchester University Press.
40. Butler, Judith. (2004). 'Is kinship always already heterosexual?' in undoing Gender. New York and London: Routledge.

41. Foucault, Michel. (1980). ‘Body/Power’ in Power/ Knowledge. Selected interviews and other writings 1972-1977. New York: Pantheon Books.
42. Jeremy, Seabrook’s. (1999). Love in a different climate: Men who have sex with men in India. London and New York: Verso.
43. Nanda, Sarena. (1993). ‘Hijras’ in third sex, third gender. Gilbert Herdt (Ed.). New York: Zone.
44. Wittig, Monique. (1992). The straight mind and other essays. Boston: Beacon Press.

**हिन्दी पत्र-पत्रिकाएं :**


1. कालजयी, किशन. (संपा.) (जुलाई 2019). सबलोग-102, वर्ष-11, अंक 7
2. अखिलेश (संपा.) (मई 2019). तद्भव, वर्ष-7, अंक-2
3. अहमद (डॉ.) एम. फ़िरोज़. (संपा.) (2018). वाङमय, त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका, जनवरी-मार्च
4. अहमद (डॉ.) एम. फ़िरोज़. (संपा.) (2017). वाङमय, त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका, जुलाई-दिसम्बर
5. अहमद (डॉ.) एम. फ़िरोज़. (संपा.) (2017). वाङमय, त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका, अप्रैल-जून
6. अहमद (डॉ.) एम. फ़िरोज़. (संपा.) (2017). वाङमय, त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका, जनवरी-मार्च
7. नियाज़ (डॉ.) शगुफ्ता (संपा). (2018). अनुसंधान, त्रैमासिक शोध पत्रिका, जुलाई- दिसम्बर
8. हम सबला, जनवरी-अप्रैल (2011), जागोरी की पत्रिका, यौनिकता विशेषांक
9. हम सबला, जनवरी-सितंबर (2013), जागोरी की पत्रिका
10. पाण्डेय, मीनू, चयन बनाम नैतिकता, हम सबल पत्रिका, यौनिकता विशेषांक
11. सामयिक सरस्वती, अप्रैल-सितम्बर, थर्ड जेन्डर विशेषांक, (2018)
12. नया ज्ञानोदय, भारतीय ज्ञानपीठ, अंक 180, फरवरी 2018
13. बया, अक्टूबर-दिसम्बर, 2019
14. अर्धेक आकाश, लिंग वैषम्य विरोधी पत्रिका, जनवरी 2014
15. Araley Abdaleye, Volume 1, Issue 2, 16-30 Sept, 2018, Bengali Newspaper
16. अविनाश मिश्र(सं), सदानीरा, विश्व कविता और अन्य कलाओं की पत्रिका, जनवरी-मार्च 2021, अंक 24
17. समकालीन भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका, जनवरी-फरवरी 2021
18. स्वीकृति पत्रिका, सुर्यदिप्त नाग (संपादक), दमदम स्वीकृति सोसाइटी, कोलकाता, 2019
19. आपका पिटारा, चाहत, अंक 96
20. इमरजेंसी जारी है, अ सिटीजंस रिपोर्ट, अगस्त, नई दिल्ली, (1999)
21. हयूमन राइट्स वाच, दिसम्बर (2008)
22. महिलाओं के खिलाफ हिंसा, क्रिया, प्रशिक्षण मॉडयूल

23. अधिकार हो सबके लिए. 2005. वॉयसिज अगैन्स्ट 377

24. महिलाओं के खिलाफ हिंसा, प्रशिक्षण मॉडयूल, क्रिया

25. ट्रांसवार्ता, सैफो फॉर इक्वालिटी, कोलकाता

26. वॉइसेस अगैन्स्ट 377, (2005)

27. मुक्ति के स्वर, अंक-22, आशु वर्मा (संपा), दिल्ली : प्रोग्रेसिव प्रिंटर्स झिलमिल

28. कला, साहित्य और संस्कृति के बारे में माओ के विचार, प्रथम संस्करण : 1996. दिल्ली : अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन

29. समकालीन भारतीय साहित्य, वर्ष 40, अंक 204, जुलाई-अगस्त 2019, चंद्रशेखर कंबार, माधव कौशिक, के. श्रीनिवासराव (संपा)

30. हंस, अप्रैल 2021, अंक-9, वर्ष-35, संजय सहाय (संपा), नई दिल्ली : अक्षर प्रकाशन

31. जनसत्ता, रविवारी, 19 अगस्त, 2018, स्त्री यौनिकता पर पहरेदारी

32. समलैंगिकों के साथ काफी भेदभाव हुआ : सुप्रीम कोर्ट, जनसत्ता, 12 जुलाई, नई दिल्ली

33. 377 की वैधता पर फैसला सुप्रीम कोर्ट ही करे : केंद्र, जनसत्ता, नई दिल्ली, 11 जुलाई

34. समलैंगिकता को जुर्म के दायरे से बाहर करने की याचिकाओं पर सुनवाई शुरू, जनसत्ता, नई दिल्ली, 10 जुलाई

35. समलैंगिकता अपराध या अधिकार, श्रीशचंद्र मिश्र, जनसत्ता, रविवारी, 2 सितंबर, 2018

36. यौनिकता एवं अधिकार, (मई -2006). रिप्रोडक्टिव हेल्थ मैटर्स

37. जेन्डर व पितृसत्ता, क्रिया, प्रशिक्षण गाइड्स

38. जेन्डर आधारित हिंसा और यौनिकता पर मॉडयूल, नई दिल्ली : निरंतर

39. निरंतर, यौनिकता और हम, खुलती परते (भाग-1)

40. उद्भावना, जनवरी, 2005, 'बहस: ''जनचेतना का प्रगतिशील कथा मासिक'' का स्त्री विमर्श?'

**अंग्रेजी पत्र-पत्रिकाएं :**


1. Gay Left. A Socialist Journal Produced by Gay Men. Number One. Autumn 1975. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
2. Gay Left. A Socialist Journal Produced by Gay People. Number 2. Spring 1976. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
3. Gay Left. A Socialist Journal Produced by Gay People. Number 3. Autumn 1976. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
4. Gay Left. A Socialist Journal Produced by Gay People. Number 4. Summer 1977. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
5. Gay Left. A Socialist Journal Produced by Gay Men. Number 5. Winter 1977. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
6. Gay Left. A Socialist Journal Produced by Gay Men. Number 6. Summer 1978. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
7. Gay Left. A Gay Socialist Journal. Number 7. Winter 1978/1979. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
8. Gay Left. A Gay Socialist Journal. Number 8. Summer 1979. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
9. Gay Left. A Gay Socialist Journal. Number 9. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
10. Gay Left. A Gay Socialist Journal. Number 10. Bumper Issue. Published by Gay Left Collective. c/o 36a Craven Road, London W2.
11. National Geographic. Special issue Gender Revolution. January 2017.

12. Hijras/Transgender Women in India : HIV, Human Rights and Social Exclusion. United Nations Development Programme (UNDP) India. December 2010.
13. National geographic magazine (2017). January, volume-4, issue 6.
14. Swakanth, A Sappho Publication, For the rights of sexually marginalized women & transmen, Subhagata Ghosh(Ed) (January 2018). Sappho for Equality Publication, 15th year, 1st issue.
15. Swakanth, A Sappho Publication, For the rights of sexually marginalized women & transmen, Subhagata Ghosh(Ed) (June 2018). Sappho for Equality Publication, 15th year, 2nd issue.
16. The Fire that evoked warmth: Emergence of Lesbian Activism in Kolkata. (2003-2004). Sappho.
17. Benedict, Ruth. (1939). Sex in primitive society, American Journal of Orthopsychiatry.
18. Colilins, Jason. (May 1, 2013). I am black, I am gay, The Times of India, Kolkata, Wednesday.
19. Yengkhom, Sumati. (May 1, 2013). Transgenders talent show in bid to be accepted, Kolkata, Times City, The Times of India, Wednesday.
20. Katz, Jonathan. (1990). 'The invention of Homosexuality', socialist review, Vol 20, No.7.
21. 'Unnatural Sexuality verses Natural Justice' (21 January 2004). in the Indian Express.

**फिल्म :**


1. मेहता, दीपा. (निर्देशक) (1996). फायर (फिल्म)
2. लाजमी, कल्पना. (निर्देशक) (1997). दरमियान: इन बिटवीन (फिल्म)
3. भट्ट, महेश. (निर्देशक) (1997). तमन्ना (फिल्म)
4. भारद्वाज, योगेश. (निर्देशक) (2005). शबनम मौसी (फिल्म)
5. ओनिर. (निर्देशक) (2005). माई ब्रदर निखिल (फिल्म)
6. भंडारकर, मधुर. (निर्देशक) (2007). ट्राफिक सिग्नल (फिल्म)
7. ओनिर. (निर्देशक) (2011). आई एम (फिल्म)
8. मंसूर, शोयब. (निर्देशक) (2011). बोल (फिल्म)
9. बोस, सोनाली. (निर्देशक) (2014). मार्गेरिटा विथ अ स्ट्रा (फिल्म)
10. बत्रा, शकुन. (निर्देशक) (2016). कपूर एंड संस (फिल्म)
11. मेहता, हंसल. (निर्देशक) (2016). अलीगढ़ (फिल्म)
12. भ्रमर, तनुज. (निर्देशक) (2016). डिअर डैड (फिल्म)
13. धर, शेली चोपड़ा. (निर्देशक) (2019). एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा (फिल्म)
14. घोष, तथागता. (निर्देशक) (2019). मिस मैन (लघु फिल्म)
15. केवल्य, हितेश. (निर्देशक) (2020). शुभ मंगल ज्यादा सावधान (फिल्म)

**वेबलिंक :**


1. hindi.feminisminindia.com, September 6, 2017, Swati Singh
2. https://www.bbc.com/hindi/india-53223013
3. http://www.glaad.org
4. https://www.apa.org/pi/lgbt/resources/policy
5. https://www.galva108.org/summary-of-vedic-references,retrieved
6. https://www.firstpost.com/india/homosexuality
7. https://www.quora.com
8. https://www.apa.org/pi/lgbpolicy/against.html
9. http://www.psych.org/public_info/homose~1.cfm
10. http://www.apa.org/pi/lgbc/guideline.html#top
11. www.who.org
12. http://icmr.nic.in/home.htm
13. www.ngltf.org
14. http://www.apa.org/pi/lgbpolicy/against.html
15. http://ebongalap.org/khobore-gender-1/
16. www.gin-ssogie.org
17. https://www.bbc.com/hindi/india-53223013
18. Refinery29.com/en-us/sexual-orientation-types-of-sexualities,Allosexual, Demisexual, Bicurious and other Sexualities you Need to know by Kasandra Brabaw
19. मिलिए, 'मिस्टर गे इंडिया' समर्पण मैती से, https://www.bbc.com/hindi/india-42800701
20. ये है समलैंगिक ऋषि-विन के प्रेम विवाह की कहानी, https://www.bbc.com/hindi/india-42686687

21. वो तूफान जिसने समलैंगिकता को जुर्म बना दिया, https://www.bbc.com/hindi/vert-earth-41870496
22. 'लड़के से लड़की बना, तो नेवी ने निकाल दिया', https://www.bbc.com/hindi/india-41569596
23. सुप्रीम कोर्ट जाने वाला 19 साल का गे लड़का, https://www.bbc.com/hindi/india-44229306
24. समलैंगिक होने को गलत क्यों माना जाता है, https://www.bbc.com/hindi/vert-fut-39515553
25. धर्म में क्या हैं समलैंगिक संबंध- अप्राकृतिक व्यभिचार या पाप?https://www.bbc.com/hindi/india-45430985
26. गुवाहाटी: रेलवे स्टेशन पर खुला पहला ट्रांसजेंडर टी स्टॉल, चलाने वाली बोलीं 'सम्मान की हैं लड़ाई' https://www.bbc.com/hindi/india-65000220
27. https://www.bbc.com/hindi/india-65396070
28. https://www.bbc.com/hindi/india-65336894
29. https://www.bbc.com/hindi/india-65302967
30. https://www.bbc.com/hindi/india-65264389
31. https://www.bbc.co.uk/hindi/india-65336894
32. https://www.bbc.co.uk/hindi/india-65302961
33. https://www.livelaw.in/top-stories/same-sex-marriage-supreme-court-gender-not-a-concept-of-where-your-genitals-226631
34. https://www.youtube.com/live/P37ps_mLqDg?feature=share
35. Rights to control and change one's Body', in the international bill of gender rights, formulated by the international conference on Transgender Law and Employment policy, 17 June, https://www.altsex.org/transgender/ibgr.html.

**Annexure**

1* Those aspects of sexuality that are called gender are primarily culturally determined ; that is, learned post natally. This learning process starts at birth, through only ith gradually increasing ego development are its effects made manifest in the infant. This cultural process springs from one's society, but a sense of this is funneled through the mother, so that what actually impinges upon her infant is her own idiosyncratic version of society's attitudes. Later, the infants's father, siblings, friends, and then gradually the whole of society present upon his developing identity. (Stoller, Robert J. (Edition: 1970). Sex and Gender, The Hogarth Press, Pg. xiii)

2* Dictionaries stress that the major connotation of sex is a biological one, as, for example, in the phrases sexual relations or the male sex. The word sex in this work will refer to the male or the female sex and component biological parts that determine wheather one is a male or a female. The word sexual will have connotations of anatomy and physiology. This obeviously leaves tremendous areas of behaviour, feelings, thoughts, and fantasiesthat are related to the sexes and yet do not have primarily biological connotations. Thus, while sex and gender seem to common sense to be practically synonymous, and in everyday life to be inextricably bound together. The two realms (sex and gender) are not at all inevitably bound in anything

like a one-to-one relationship, but each may go in its quite independent way. (Stoller, Robert J. (Edition: 1970). Sex and Gender, The Hogarth Press, Pg.viii-ix)

4* The sense of core gender identity (that is of being male or female) in the normal individual is derived from three sources: the anatomy and physiology of the genitalia; the aatitudes of parents, siblings and peers toward the child's gender role ; and a biological force that can more or less modify the attitudinal (environmental) forces. These three sources re-enforce one another. (Stoller, Robert J (Edition: 1970). Sex and Gender, The Hogarth Press, pg .40)

5* Both boys and girls go through a preliminary period during which no psychosexual differentiation between them seems to exist. (Stoller, Robert J Edition: 1970). Sex and Gender, The Hogarth Press, pg . 52)

8 * Sometimes one quality has been assigned to one sex, sometimes to the other. Now it is boys who are thought of as infinitely vulnerable and in need of special cherishing care, now it is girls… some people think of women as too weak to work out of doors, others regard women as the appropriate bearers of heavy burdens " because their heads are stronger then men's"… some religions, including our European traditional religions, have assigned women an inferior role in the religious hierarchy, others have built their whole symbolic relationship with the supernatural

world upon male imitations of the natural functions of women….. (Friedan, Betty (Edition: 1963). The feminine mystique, w.w.norton and company New York London, Pg.160)

13 * Power is essentially what dictates its law to sex. Which means first of all that sex is placed by power in a binary system; licit and illicit, permitted and forbidden. Secondly, power prescribes an "order" for sex that operates at the same time as a form of intelligibility: sex is to be deciphered on the basis of its relation to the law. And finally, power acts by laying'down the rule: power's hold on sex is maintained through language, or rather through the act of discourse that creates, from the very fact that it is articulated, a rule of law. (Foucault, Michel (Edition: 1978). History of sexuality, Vol .1, pg. 83)

20 * The term gender relations refer to the relations of power between women and men which are revealed in a range of practices, ideas and representations, including the division of labour, roles and resources between women and men, and the ascribing to them of different abilities, attitudes, desires, personality traits, behavioural patterns, and so on. Gender relations are both constituted by and help constitute these practices and and ideologies in interaction with other structures of social hierarchy such as class, caste and race. They may be seen as largely socially

constructed and as variable over time and place. (Agrawal, Bina (Edition: 1996). A field of one's own: Gender and land rights in south Asia, New Delhi: Cambridge University press, Pg.51)

23 * It is important for men to concede, however, that the performance of gender subversion can indicate nothing about sexuality or sexual practice. Gender can be rendered ambiguous without disturbing or reorienting normative sexuality at all. (Buttler, Judith P (Edition: 1999). Gender Trouble, Preface, Routledge, New York, NY, Pg.xiv)

25 * The category of 'sex' is from the start, normative; it is what Foucault has called a 'regulatory ideal'. In this sense, then, 'sex' not only functions as a norm, but is part of a regulatory practice that produces the bodies it governs that is, whose regulatory force is made clear as a kind of productive power, the power to produce- demarcate, circulate, differentiate the bodies it controls. (Butler, Judith (Edition: 1993). Bodies that Matter, Routledge, Pg. xi-xii)

32 * The matrix of gender relations is prior to the emergence of the 'human'. 'I' is formed by virtue of having gone through such a process of assuming a sex. (Butler, Judith (Edition: 1993). Bodies that Matter, Routledge, Pg. xiii, xvii)

33 * The word sexual will have connotations of anatomy and physiology.This obviously leaves tremendous areas of behavior, feeloings, thoughts, and fantasies that are related to the sexes and yet do not have primarily biological connotations. (Stoller, Robert J (Edition: 1970). Sex and Gender, The Hogarth Press, Pg. ix)

41 * It is heterosexual normativity that produces and consolidates gender, but the gender hierarchy that is said to underwrite heterosexual relations. If gender hierarchy produces and consolidates, and if gender hierarchy presupposes an operative notion of gender, then gender is what causes gender, and the formulation culminates in tautology. (Buttler, Judith P (Edition: 1999). Gender Trouble, Preface, Routledge, New York, NY, Pg.xii)

42 * If one thinks that one sees a man dressed as a woman or a woman dressed as a man, then one takes the first term of each of those perceptions as the "reality" of gender: the gender that is introduced through the simile lacks "realuty", and is taken to constitute an illusory appearance. (Buttler, Judith P (Edition: 1999). Gender Trouble, Preface, Routledge, New York, NY, Pg.xxii)

43 * If one "is" a woman, that is surely not all one is; the term fails to be exhaustive, not because a pregendered "person" transcends the specific paraphernalia of its

gender, but because gender is not always constituted coherently or consistently in different historical contexts, and because gender intersects with racial, class, uthnic, sexual, and regional modalities of discursively constituted identities. As a result, it becomes impossible to separate out "gender" from the political and cultural intersections in which it is invariably produced and maintained. (Buttler, Judith P (Edition : 1999). Gender Trouble, Preface, Routledge, New York, NY, Pg.6)